भ्रष्टाचार

मवई में फिश पार्लर के नाम पर बड़ा खेल, बस स्टैंड के पास अवैध निर्माण पर प्रशासन का डंडा, काम रुकवाया

सरकारी जमीन पर बन रहा था अवैध कॉम्प्लेक्स

मवई, नवभारत। ग्राम पंचायत मवई में फिश पार्लर निर्माण की आड़ में सरकारी जमीन पर अवैध कॉम्प्लेक्स बनाने का एक गंभीर मामला प्रकाश में आया है। इस पूरे घोटाले का खुलासा तब हुआ जब स्थानीय जनप्रतिनिधियों और उपसरपंच ने सूचना के अधिकार के तहत निर्माण संबंधी जानकारी मांगी।

जानकारी अनुसार मवई बस स्टैंड के समीप फिश पार्लर के नाम पर निर्माण कार्य शुरू किया गया था, जो देखते ही देखते एक व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स का रूप लेने लगा। स्थानीय लोगों का आरोप है कि उन्हें अंधेरे में रखकर यह पूरा निर्माण कार्य गुपचुप तरीके से कराया जा रहा था, जिससे पंचायत की कार्यप्रणाली और पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

जांच के दौरान सरपंच नदारद

मामले की गंभीरता को देखते हुए जब पंचायत अधिकारी और पटवारी ने मौके पर पहुंचकर दस्तावेजों की मांग की तो ग्राम पंचायत सचिव कोई भी संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए। सचिव ने यह कहकर पल्ला झाड़ लिया कि मुझे कुछ नहीं पता, सरपंच जी को जानकारी है। वहीं प्रभारी सरपंच कैलाश धुर्वे जांच के दौरान मौके से नदारद रहे और फोन करने पर भी उपस्थित नहीं हुए।

मौके पर पंचनामा तैयार कर कराया काम बंद

जांच में यह भी सामने आया कि पंचायत के कुछ कर्मचारी और मेट इसे पंचायत का कार्य बताकर सरकारी जमीन पर निर्माण को अंजाम दे रहे थे। जब तक प्रशासन जागा, तब तक निर्माण कार्य लैंटर स्तर तक पहुंच चुका था। अधिकारियों ने मौके पर ही पंचनामा तैयार कर निर्माण कार्य को तत्काल प्रभाव से बंद करा दिया है।

प्रशासन की कार्यप्रणाली पर उठ रहे गंभीर सवाल

इस घटना ने प्रशासन की निगरानी पर भी सवालिया निशान लगा दिए हैं। क्षेत्र की जनता अब यह पूछ रही है कि सरकारी जमीन पर बिना अनुमति इतना बड़ा निर्माण कैसे शुरू हुआ। क्या इस निर्माण कार्य की जानकारी प्रशासनिक अधिकारियों को नहीं थी, तो जिम्मेदार अधिकारी और सरपंच जांच के समय जवाबदेही से क्यों बच रहे हैं। क्या इस अवैध निर्माण में पंचायत और प्रशासन के कुछ लोगों की मिलीभगत है। क्षेत्रीयजनों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि इस मामले में दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए।

हनुमान मंदिर और बस स्टैंड के सामने शराब दुकान का विरोध

कार्रवाई नहीं होने पर यूथ कांग्रेस ने दी आंदोलन की चेतावनी

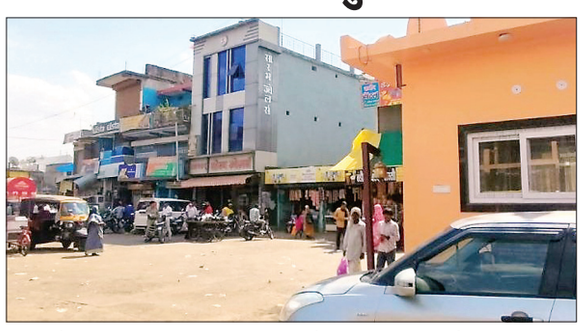

नारायणगंज। नारायणगंज मुख्यालय के मुख्य बस स्टैंड और प्रसिद्ध हनुमान मंदिर के ठीक सामने संचालित शराब दुकान को हटाने की मांग अब तेज होती जा रही है। स्थानीय नागरिकों और कांग्रेस द्वारा लगातार विरोध प्रदर्शन और ज्ञापन सौंपने के बावजूद प्रशासनिक स्तर पर अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है, जिससे क्षेत्रवासियों में भारी रोष व्याप्त है।

हैरानी की बात यह है कि इस शराब दुकान को हटाने पंचायत और जनपद स्तर पर विधिवत प्रस्ताव पारित किए जा चुके हैं। लेकिन धरातल पर स्थिति जस की तस बनी हुई है।

धार्मिक स्थल और सार्वजनिक क्षेत्र को लेकर तनाव

ग्रामीणों का कहना है कि मंदिर और बस स्टैंड जैसे सार्वजनिक स्थल के सामने शराब दुकान होने से न केवल धार्मिक भावनाएं आहत हो रही हैं, बल्कि राहगीरों और महिलाओं को भी आवागमन में असुविधा का सामना करना पड़ता है। पिछले सप्ताह तहसीलदार को सौंपे गए ज्ञापन के बाद भी आबकारी विभाग या जिला प्रशासन की ओर से कोई सक्रियता नहीं दिखाई गई है। निवास विधानसभा यूथ कांग्रेस अध्यक्ष रीतेश सोनी ने बताया कि इस विषय की गंभीरता को देखते हुए मंगलवार को आबकारी विभाग के अधिकारियों से मुलाकात की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट रूप से चेतावनी दी है कि यदि इस बार भी प्रशासन ने अनदेखी की, तो उग्र आंदोलन किया जाएगा, जिसकी समस्त जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

आस्था और सुरक्षा पर प्रहार

स्थानीय नागरिकों ने कड़ा विरोध जताते हुए कहा कि हनुमान मंदिर जैसे पवित्र स्थल के ठीक सामने शराब दुकान का होना न केवल धार्मिक भावनाओं को आहत करता है, बल्कि बस स्टैंड पर आने-जाने वाली महिलाओं, विद्यार्थियों और यात्रियों के लिए भी असुरक्षा का कारण बना हुआ है। शराबियों की मौजूदगी से सार्वजनिक मर्यादा भंग हो रही है।

शीघ्र कार्रवाई की चेतावनी

क्षेत्रवासियों ने जिला प्रशासन और आबकारी विभाग से मांग की है कि इस शराब दुकान को तत्काल व्यस्ततम बस स्टैंड क्षेत्र से हटाकर किसी अन्य स्थान पर भेजा जाए। यदि समय रहते उचित कदम नहीं उठाए गए, तो स्थानीय जनता उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होगी।

महिला सशक्तिकरण एवं विधिक जागरूकता कार्यशाला आयोजित

नैनपुर। ग्राम पंचायत मक्के, जनपद नैनपुर में हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वूमेन योजना अंतर्गत महिलाओं के यौन उत्पीड़न अधिनियम 2013, शी-बॉक्स पोर्टल एवं दहेज प्रतिषेध अधिनियम पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। वन स्टॉप सेंटर प्रशासक सुश्री प्रेरणा मर्सकोले द्वारा बाल विवाह निषेध, महिलाओं की सुरक्षा, शासन की योजनाओं एवं शिकायत निवारण प्रक्रिया की जानकारी दी गई तथा आईईसी सामग्री वितरित की गई। इसके साथ ही टिकाऊ खेती, पशुपालन एवं कौशल विकास योजनाओं की जानकारी भी प्रदान की गई। पैरालीगल वॉलेंटियर श्रीमती शिखा श्रीवास्तव ने नि:शुल्क विधिक सहायता एवं टोल फ्री नंबर 15100 की जानकारी दी। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं ग्रामीण महिलाएं उपस्थित रहीं।

200 से अधिक कार्यकर्ताओं ने सीखीं संगठन की बारीकियां

बिछिया में भाजपा का दो दिवसीय प्रशिक्षण महाअभियान आयोजित

भुआ बिछिया। भाजपा मंडल बिछिया के तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान का समापन कल्याण आश्रम में हुआ। कुल 24 घंटे की समयावधि में चले इस प्रशिक्षण वर्ग में 8 विभिन्न सत्रों के माध्यम से कार्यकर्ताओं को संगठन, विचार और तकनीक की विस्तृत जानकारी दी गई। इस महाअभियान में शक्ति केंद्र प्रमुखों से लेकर जिला पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों सहित 200 से अधिक कार्यकर्ताओं ने सहभागिता की।कार्यक्रम का विधिवत प्रारंभ मुख्य अतिथियों द्वारा भारत माता, पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के तैल चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया। मंडल अध्यक्ष नीरज भट्ट ने स्वागत भाषण के साथ वर्ग की प्रस्तावना रखी। प्रथम दिवस में कार्य विस्तार और सरकारी उपलब्धियों पर चर्चा की गई। प्रशिक्षण के पहले दिन पांच महत्वपूर्ण सत्र संपन्न हुए। जिसमें प्रथम सत्र झल्लू लाल तेकाम की अध्यक्षता में कार्य विस्तार की दृष्टि पर वक्ता पंडित सिंह धुर्वे ने लिया। द्वितीय सत्र केंद्र सरकार की उपलब्धियां को वक्ता रुचिराम गुरुवाणी, तृतीय सत्र पार्टी का इतिहास वक्ता डॉ. विजय आनंद मरावी, चतुर्थ सत्र सोशल मीडिया एवं एआई नमो एप संगठन ऐप वक्ता शोभित रावत द्वारा लिया गया।

प्रशिक्षण का पंचम सत्र प्रदेश सरकार की उपलब्धियां वक्ता बिजेंद्र सिंह कोकड़िया द्वारा लिया गया। द्वितीय दिवस में भाजपा स्थापना दिवस और सांगठनिक सत्र आयोजित किया गया। दूसरे दिन की शुरुआत भाजपा कार्यालय में स्थापना दिवस मनाकर की गई। इसके बाद छठवां सत्र बूथ प्रबंधन वक्ता नीरज मरकाम, सातवां हमारी कार्य पद्धति जयदत्त झा, अंतिम सत्र वैचारिक अधिष्ठान वक्ता डॉ. संजय कुशराम द्वारा लिया गया। समापन पर सभी सामूहिक हुआ। कार्यक्रम का कुशल मंच संचालन मंडल महामंत्री नरेश राजपूत ने किया और आभार प्रदर्शन मंडल महामंत्री नरेश सार्वे द्वारा किया गया। इस आयोजन को सफल बनाने में नगर परिषद अध्यक्ष रजनी मरावी, शशिकांत श्रीवास्तव, अशोक नानकानी, राजेंद्र अग्रवाल सहित बिछिया मंडल के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं और मातृशक्ति का सराहनीय योगदान रहा।

अपमानजनक परीक्षा और अनिवार्य सेवानिवृत्ति के खिलाफ लामबंद हुए शिक्षक

टीईटी परीक्षा के विरोध में नैनपुर में एकजुट हुआ संयुक्त मोर्चा, आंदोलन की रणनीति तैयार

नैनपुर। अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा के प्रांतीय आह्वान पर उत्कृष्ट विद्यालय नैनपुर में शिक्षकों की ब्लॉक स्तरीय बैठक संपन्न हुई। इस बैठक में आजाद अध्यापक शिक्षक संघ, ट्रायबल वेलफेयर टीचर्स एसोसिएशन, अपाक्स, मप्र शिक्षक संघ और मप्र कर्मचारी कांग्रेस के सैकड़ों शिक्षकों ने शिरकत की। सभी संगठनों ने एक स्वर में केंद्र और राज्य सरकार द्वारा थोपी जा रही शिक्षक पात्रता परीक्षा को शिक्षकों की गरिमा, अनुभव और सामाजिक सम्मान के विरुद्ध बताया।

बैठक को संबोधित करते हुए संयुक्त मोर्चा के शिक्षक मनीष कटकवार ने बताया कि 25 सितंबर 2025 को सुप्रीम कोर्ट ने आरटीई के तहत सभी शिक्षकों के लिए टीईटी उत्तीर्ण होना अनिवार्य कर दिया है। विडंबना यह है कि आरटीई 2009 से लागू है, लेकिन मध्य प्रदेश सरकार ने उस समय नियमों की अनदेखी की और पात्रता परीक्षा के आधार पर नियुक्तियां करती रही। 1998 से कार्यरत शिक्षाकर्मियों, गुरुजियों और संविदा शिक्षकों को जब 2018 में नियमित किया गया, तब भी शासन ने टीईटी की शर्त नहीं रखी।

बताया गया कि अब अचानक 25-30 वर्षों तक निष्ठापूर्वक शैक्षिक कार्य करने वाले 45-50 वर्षीय अनुभवी शिक्षकों को दो वर्ष के भीतर परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए मजबूर किया जा रहा है। परीक्षा में असफल होने पर अनिवार्य सेवानिवृत्ति का प्रावधान किया गया है, जिसे शिक्षकों ने पूरी तरह अनुचित और दमनकारी बताया है।

सेवानिवृत्ति पर आर्थिक तबाही का डर

वरिष्ठ शिक्षक नरेंद्र सिंह चौहान ने बैठक में शिक्षकों की आर्थिक स्थिति पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि 1998 के बाद भर्ती हुए शिक्षकों के लिए पुरानी पेंशन का कोई प्रावधान नहीं है। वर्तमान में सेवानिवृत्त हो रहे शिक्षकों को मात्र 2000 से 3000 रुपये पेंशन मिल रही है। ऐसे में यदि किसी शिक्षक को जबरन सेवानिवृत्त किया जाता है, तो उसके परिवार का भरण-पोषण नामुमकिन हो जाएगा। कई शिक्षकों पर लाखों का होम लोन और पर्सनल लोन है, जो उन्हें रातों-रात दिवालिया बना देगा।

तनाव और स्वास्थ्य पर बुरा असर

संयुक्त मोर्चा के वरिष्ठ शिक्षक अजय सोनी ने कहा कि 45 से 55 वर्ष की आयु में अधिकांश शिक्षक बीपी, शुगर और हृदय रोगों से ग्रसित हैं। इस उम्र में परीक्षा का डर और करियर खोने का तनाव शिक्षकों के लिए जानलेवा साबित हो सकता है। उन्होंने सरकार से मांग की है कि शिक्षकों को इस भय से मुक्त किया जाए।

सम्मान पर चोट, जीते जी मर जाने जैसा

मोर्चा के संजीव सोनी ने भावुक होते हुए कहा कि शिक्षक समाज का दर्पण होता है और उसे सदैव सर्वोच्च सम्मान मिला है। यदि एक अनुभवी शिक्षक परीक्षा में फेल होकर अनिवार्य सेवानिवृत्ति पाता है, तो उसे समाज और परिवार में कदम-कदम पर अपमान सहना पड़ेगा। यह स्थिति एक शिक्षक के लिए जीते जी मर जाने के समान होगी।

एकजुटता की अपील

वरिष्ठ शिक्षक दिनेश पटेल ने नवनियुक्त शिक्षकों से भी इस लड़ाई में साथ आने की अपील की। उन्होंने कहा कि पूर्व में अलग-अलग संगठनों में बंटे होने के कारण सरकारों ने हमेशा शिक्षकों का शोषण किया है। आज परिस्थितियां ऐसी हैं कि पुराने और नए सभी शिक्षकों को एक मंच पर आना ही होगा, वरना भविष्य में सभी को भारी शोषण का शिकार होना पड़ेगा।

जिला से लेकर राजधानी तक गूंजेगी आवाज

संयुक्त मोर्चा के वरिष्ठ शिक्षक शंकर दयाल बाजपेई ने आगामी आंदोलनों की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि आगामी 08 अप्रैल को जिला स्तर पर विशाल रैली और ज्ञापन सौंपा जाएगा। इसके बाद 11 अप्रैल को ब्लॉक स्तर पर धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। 18 अप्रैल को भोपाल में प्रदेश स्तरीय जंगी प्रदर्शन और घेराव करने की रणनीति बनाई गई है। बैठक में नैनपुर ब्लॉक के प्रत्येक शिक्षक से 08 अप्रैल को मंडला में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में शामिल होने का संकल्प लिया गया।

शिक्षकों की प्रमुख मांगें

उच्च माध्यमिक शिक्षक दिलीप शरणागत, बीएसी संतोष यादव, अनुपमा तिवारी, प्रीति चौहान, प्रीति मसराम, नंदकिशोर कटारे, इंद्रेश तिवारी, तुलसी राम बंदेवार, राकेश राठौर, विजेंद्र वरकड़े, भरत विक्रम, हरिओम सिरोठिया, सेवाराम राजपूत, इवनीश खान, नफीस खान, मुकुंद चंदेला, वीर सिंह चंदेला सहित उपस्थित सभी शिक्षकों ने मांग की है कि अन्य राज्यों की तर्ज पर मध्यप्रदेश सरकार सुप्रीम कोर्ट में रिव्यू पिटीशन दाखिल करे या केंद्र सरकार पर अध्यादेश लाने का दबाव बनाए। प्रदेश के 1.5 लाख और देश के 25-30 लाख शिक्षकों को टीईटी जैसी अपमानजनक परीक्षा से मुक्ति दी जाए। 28 वर्षों से कार्यरत शिक्षकों को प्रथम नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठता देते हुए पेंशन और ग्रेच्युटी की गणना की जाए। बैठक में यह स्पष्ट हुआ कि शिक्षक अब अपने सम्मान और अधिकारों के लिए किसी भी स्तर तक संघर्ष करने को तैयार हैं।

सिद्धि सोनी बनीं कक्षा 9वीं की टॉपर

नारायणगंज। शिक्षा के क्षेत्र में नारायणगंज की बेटियों ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। स्थानीय निवासी मनीष सोनी की सुपुत्री कुमारी सिद्धि सोनी ने कक्षा नवमीं की वार्षिक परीक्षा में शानदार सफलता हासिल करते हुए विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। उनकी इस उपलब्धि ने न केवल उनके परिवार, बल्कि पूरे नारायणगंज क्षेत्र को गौरवान्वित किया है। सिद्धि के पिता मनीष सोनी और माता सविता सोनी ने अपनी पुत्री की इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया है। कुमारी सिद्धि सोनी की इस उपलब्धि पर इंटरनेशनल बेल वेदर स्कूल के प्राचार्य एवं समस्त शैक्षणिक स्टाफ ने उन्हें बधाई दी है। शिक्षकों का कहना है कि सिद्धि एक होनहार छात्रा हैं उनकी सफलता अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणादायी है।

जनपद अध्यक्ष की पहल पर 5 गांवों के ग्रामीणों ने लिया नशाबंदी का संकल्प

तंबाकू और शराब मुक्त समाज बनाने डोभी में सर्वसम्मति से पारित हुआ प्रस्ताव

नारायणगंज। नारायणगंज विकासखंड के अंतर्गत ग्राम पंचायत डोभी में नशा मुक्ति अभियान के तहत एक बैठक आयोजित की गई। जनपद अध्यक्ष आसाराम भारतीया के नेतृत्व में आयोजित इस बैठक में डोभी, डोभा, साजपानी, तरवानी और साल्हेपानी सहित पांच गांवों के ग्रामीण, जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी शामिल हुए। बैठक का मुख्य उद्देश्य समाज को नशे की दलदल से बाहर निकालकर एक स्वस्थ और सुरक्षित भविष्य का निर्माण करना रहा।

कार्यक्रम में उपस्थित नायब तहसीलदार उइके मैडम ने अपने संबोधन में कहा कि नशा केवल व्यक्ति को शारीरिक और मानसिक रूप से ही नहीं, बल्कि आर्थिक और सामाजिक रूप से भी बर्बाद कर देता है। वहीं, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बबलिया के मेडिकल ऑफिसर डॉ. सुरेंद्र सिंह ने नशे के घातक परिणामों पर प्रकाश डालते हुए इसे परिवार के विघटन का मुख्य कारण बताया।

जनपद अध्यक्ष आसाराम भारतीया ने विशेष रूप से ग्रामीणों से अनुरोध करते हुए कहा हमारा लक्ष्य अपने क्षेत्र को पूर्णत: नशा मुक्त बनाना है ताकि हर परिवार सुख-शांति से रह सके। उनकी इस पहल को सभी अतिथियों और सामाजिक संगठनों ने एक सराहनीय कदम बताया।

गांवों ने पारित किया ऐतिहासिक प्रस्ताव-बैठक के दौरान सभी गांवों के युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गों ने एकजुट होकर समाज में व्याप्त कुप्रथाओं जैसे तंबाकू, गुटका, बीड़ी और शराब को बंद करने का निर्णय लिया। बैठक के अंत में सर्वसम्मति से नशाबंदी का प्रस्ताव पारित किया गया और ग्रामीणों ने गांव को नशा मुक्त बनाने का सामूहिक संकल्प लिया। इस अवसर पर बजरंग व्यायाम शाला के सेवक प्रेमानंद महाराज, विभिन्न सामाजिक संगठनों के वरिष्ठ जन और बड़ी संख्या में मातृशक्ति एवं युवा उपस्थित रहे।

परसवाड़ा और झिरिया में स्थापित किए गए जल मंदिर प्याऊ

प्रस्फुटन समिति और तेजस्विनी महिला संघ ने पेश की सेवा की मिसाल

नैनपुर। भीषण गर्मी की दस्तक के बीच आमजन को शीतल पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नैनपुर क्षेत्र में एक सराहनीय पहल की गई है। नवांकुर संस्था-तेजस्विनी महिला शक्ति संघ द्वारा जल शक्ति से नव भक्ति अभियान के अंतर्गत ग्राम पंचायत परसवाड़ा एवं ग्राम पंचायत झिरिया में जल मंदिर (प्याऊ) की स्थापना कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। यह पुनीत कार्य ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के विशेष सहयोग से संपन्न हुआ।

अभियान के तहत ग्रामों के मुख्य चौराहों पर जल मंदिर स्थापित किए गए हैं, जिससे राहगीरों और स्थानीय निवासियों को स्वच्छ पेयजल सुलभ हो सकेगा। इस अवसर पर संस्था की उपाध्यक्ष गीता सोलंकी एवं परामर्शदाता अंजय विश्वकर्मा ने अभियान के विभिन्न चरणों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस पहल का उद्देश्य न केवल प्यास बुझाना है, बल्कि समाज में जल संरक्षण के प्रति चेतना जागृत करना भी है।

चौपाल के माध्यम से जल संरक्षण का संदेश

ग्राम झिरिया में आयोजित चौपाल कार्यक्रम के दौरान जल गंगा संवर्धन पर चर्चा की गई। वक्ताओं ने उपस्थित ग्रामीणों को जल की एक-एक बूंद बचाने और जल स्रोतों के संरक्षण के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम में बीएसडब्ल्यू और एमएसडब्ल्यू की छात्राओं ने भी सहभागिता कर सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश दिया।

इनकी रही उपस्थिति

कार्यक्रम में प्रस्फुटन समिति के अध्यक्ष मनोज कुशवाहा, सचिव अशोक साहू, दयादास धरवैया, ब्रज नरेश मोंगरे, अंतराम साहू, वार्ड पंच श्रीमती गुड्डी बाई यादव, सरूपा साहू, रोजगार सहायक दीपक यादव और मोबिलाइज़र कलेश्वरी उलारी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। अंत में संस्था की उपाध्यक्ष श्रीमती गीता सोलंकी ने सभी का आभार व्यक्त किया।